

This question paper contains 7 printed pages.]

3459

Your Roll No.

LL.B. / IV Term
Paper LB-4031
BUSINESS ASSOCIATION-II
(Company Law)

B

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

*(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)*

*(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित
स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

*Note : Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.*

*टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में
दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any five questions.

All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

[P.T.O.]

1. Attempt any **two** of the following :

(a) “Memorandum of Association contains the fundamental clauses which have often been described as the conditions of the company’s incorporation.”

Discuss the clauses of memorandum of association in the light of above observations.

(b) “Shifting of registered office from one state to another state is a much more complicated affair than shifting of registered office from one place to another within the same state. Discuss.

(c) How and to whom promoters should make disclosure of their interest if they sell their own property to the company formed by them ?

निम्नलिखित में से दो के उत्तर दीजिए :

(अ) ‘संगम ज्ञापन उन मूलभूत खण्डवाक्यों को समावेशित करता है जो कम्पनी निगमन की शर्तों को निर्देशित करते हैं।’

संगम ज्ञापन के खण्डवाक्यों की विवेचना उपर्युक्त कथन के प्रकाश में कीजिए।

(ब) कम्पनी के निगमित कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया, उसी राज्य में एक स्थान से दूसरे

स्थान में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया की अपेक्षा अधिक जटिल है। विवेचना कीजिए।

(स) संप्रवर्तकों को कैसे और किसके समक्ष अपने हित को प्रकट करना चाहिए जबकि वे स्वयं की सम्पत्ति, कम्पनी, जिनका प्रवर्तन उन्होंने किया है, के पक्ष में विक्रय करते हैं।

2. The theory of corporate entity laid down in *Solomon V. Solomon & Co. Ltd.* is indeed the basic principle on which the whole law of corporations is based. But the theory cannot be pushed to unnatural limits and courts are at times compelled by circumstances to lift the corporate veil. Discuss.

सोलोमन व. सोलोमन एण्ड कम्पनी लिमिटेड में स्थापित निगमित व्यक्ति का सिद्धान्त वास्तव में वह आधारभूत सिद्धान्त है जिस पर सभी निगम विधि आधारित हैं। परन्तु इस सिद्धान्त का विस्तार अप्राकृतिक सीमाओं तक नहीं किया जा सकता तथा न्यायालय ऐसी स्थिति में निगम के पर्दे को हटा सकता है। विवेचना कीजिए।

3. Write notes on any **two** of the following :

- (a) Private and public company
- (b) Advantages of corporate form of business association
- (c) Doctrine of Indoor Management

निम्न में से दो पर टिप्पणी लिखिए :

- (अ) व्यक्तिगत कम्पनी और सार्वजनिक कम्पनी
- (ब) व्यापार निगमन के लाभ
- (स) आन्तरिक प्रबन्धन का सिद्धान्त

4. Discuss the doctrine of *Ultra-vires* with reference to decided cases and explain the consequences of an *ultra-vires* transaction. Is the doctrine of *ultra-vires* dead ?

निर्णीत वादों के संदर्भ में अधिकारातीत के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए तथा एक अधिकारातीत कार्य के परिणामों की विवेचना कीजिए। क्या अधिकारातीत सिद्धान्त मृत हो चुका है ?

5. “Traditionally the duties of directors were non-statutory. They were fashioned out essentially from common law as developed through cases. But now the Companies Bill, 2011 proposes to codify the duties of directors.”

Discuss the fiduciary duties of directors with reference to case-law and highlight the proposals to codify the duties of directors in the Companies Bill, 2011.

“परम्परागत निर्देशकों के कर्तव्य सांविधिक नहीं थे। ये मूलतः वादों के माध्यम से कामन लॉ में विकसित सिद्धान्तों पर आधारित हैं। परन्तु अब कम्पनी बिल 2011 निर्देशकों के कर्तव्यों को संहिताबद्ध करने का प्रस्ताव करता है।”

वाद विधि के संदर्भ में निर्देशकों के वैश्वसिक कर्तव्यों की विवेचना कीजिए तथा कम्पनी बिल 2011 द्वारा प्रस्तावित निर्देशकों के कर्तव्यों पर प्रकाश डालिए।

6. “The essence of the matter seems to be that the conduct complained of should at the lowest involve a visible departure from the standards of fair dealing and a violation of the conditions of fair play.”

Explain the meaning of Oppression in the light of above observations and other decided cases. Discuss the conditions of relief for oppression as specified in section 397 of the Companies Act, 1956.

“यह प्रतीत होता है कि मामले में मर्म यह है कि परिवादित आचरण कम से कम मानक उचित व्यवहार से दृश्यमान रूप से विरत तथा उचित कार्य की शर्तों के उल्लंघन में होना चाहिए।”

उपर्युक्त प्रेक्षण तथा निर्णीत वादों के प्रकाश में ‘अन्यायपूर्ण आचरण’ का अर्थ समझाइए। अन्यायपूर्ण आचरण के उपचार के लिए कम्पनी अधिनियम-1956 की धारा-397 में दिए गये शर्तों की विवेचना कीजिए।

7. What are the grounds of compulsory winding up of a company ? When courts have considered it just and equitable to wind up company ? Refer statutory provisions and decided cases in support of your answer.

एक कम्पनी के आवश्यक परिसमापन के आधार क्या हैं ? न्यायालय कम्पनी के परिसमापन को कब उचित और साम्यिक समझता है ? अपने उत्तर के समर्थन में सांविधिक प्रावधानों और निर्णीत वादों का हवाला दीजिए।

8. (a) "The Companies (Amendment) Act, 2006 was enacted to make provisions for electronic filing system and Unique Director Identification Number." Explain the relevant provisions.

(b) What is the difference between One Man Company and One Person Company Ltd. proposed by the Companies Bill, 2011.

(अ) "कम्पनी (संशोधन) अधिनियम 2006, इलेक्ट्रॉनिक दाखिल प्रणाली इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग सिस्टम तथा अद्वितीय पहचान संख्या (यूनिक आइडेन्टिफिकेशन नम्बर) के लिए प्रावधान बनाने के लिए अधिनियमित किया गया था।" उन सुसंगत प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

(ब) एक व्यक्ति कम्पनी (One Man Company) तथा कम्पनी बिल-2011 द्वारा प्रस्तावित एकल व्यक्ति कम्पनी लि. (One Person Company Ltd.) में क्या अन्तर है ?